001 सुरह फातिहा.

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू.| मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ साहब.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

कुरान मजीद की सब्से पेहली सूरह मे अल्लाह तआला ने दुवा करने के तरीके की तालीम दी हे.

सूरह फातिहा की पेहली तीन आयतो मे अल्लाह तआला ने अपनी मुबारक जात की पेहचान इन चार खूबियो के साथ की हे-

(१) वोह रब हे, यानी सब्का पालने वाला.

(२) वोह रहमान हे, यानी सब पर रहम करने वाला, और बिन मांगे देने वाला.

(३) वोह रहीम हे उन खास बन्दो पर जिस्पर वोह बडी मेहरबानिया करने वाला हे.

(४) मालिकी यौमिददीन हे, यानी बदले के दिन, और आखिरत मे हर एक को अपने किये के मुताबिक बदला देने वाला. इस्लीये तमाम तारीफे उसीके लिये होनी चाहिये.

(इय्याक नअबुदु व इय्याक नस्तईन) मे इबादत और इन्तिहायी पाकीज़ा अमाल के साथ दुवा मांगने का हुक्म दिया गया हे कि अल्लाह! हम तेरी ही इबादत करते हे और तुझिसे मदद मांगते हे.

इस्के बाद इस मुबारक सूरह का आखरी हिस्सा दुवा का हे कि अल्लाह! हमे ज़िन्दगी की शुरूआत से मौत के आखिरी सांस तक हमेशा हर बात मे सिराते मुस्तकीम पर कायम रख, और हम ज़िन्दगी के किसी भी मोड पर सीधे रास्ते से ना भटके, और हमे उस रास्ते पर चला जिस पर तेरे वो बन्दे चलते रहे जिन्पर तेरे इनामो की बारिश हुई. मौला हमारी हिफाजत फरमा! हम कभी उस रास्ते पर ना चले, जिस रास्ते पर वो लोग चले जिन्पर तेरी लानत (फिटकार) हुवी, और हमे गुमराह लोगो के रास्ते पर चलने से भी मेहफूज़ रख. आमीन.